Written by अवनीश पांडेय
Thursday, 14 June 2018 13:24

: □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□, □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ : □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ : □□□ □□□□□□□□-□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□, □□□ □□ □□□□□□□□□□ :

□□□□□ □□□□□□□□□

□□□□□□□□□ :लोकसेवा आयोग के पूर्व तथा वर्तमान अध्यक्ष सीबीआई जांच के दायरे में है। परीक्षा समति के अध्यक्ष तथा सदस्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य ही होते हैं, जब प्रतयिोगी छात्रों को लोकसेवा आयोग की शुचिता तथा नष्ठा पर से वश्विास ही समाप्त हो गया है। तथा इस तथ्य से अवगत होकर ही राज्य सरकार सीबीआई जांच करा रही है फरि इनके रहते शुचिता पूर्ण परीक्षा कैसे संभव है।

लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजति पीसी□स 2016 की मुख्य परीक्षा सतिम्बर 2016 में हुई थी। जसिका परणिाम अभी तक नहीं आया है। हालत यह है क इस परीक्षा में गलत प्रश्नों तथा गलत उत्तर को खासा ववािद खड़ा हो चुका है। परीक्षार्थी बेहाल हैं, और दौड़-भाग में जुटे हैं ताक कोई रास्□ता नकिल पाये, सरकार और आयोग के कानों पर जूं रेंग सके। लेकनि सरकार को अपनी राजनीतक शितरंत की गोटयिों को बछािने और हटाने से ही फुरसत नहीं है। मजा ले रहा है लोकसेवा आयोग, ताक जतिना भी हो सके, मामले को और भी ज्□यादा लटकाया जा सके। उसका मकसद इस परीक्षा के ववािद का नस्तिारण करने नहीं, बल्क उसे लम्बति रखना ही है।

यद PCS 2016 के परणिाम आने के बाद PCS 2017 की परीक्षा होती हो उन बेरोजगार युवकों को नौकरी का अवसर प्राप्त होता जो अभी तक बेरोजगार हैं । दोनों मुख्य परीक्षा में हजार से अधकि कामन छात्र हैं और नौकरी में हैं । लोकसेवा आयोग प्रत्येक PCS की प्रारम्भकि परीक्षा में 10 से 12 गलत प्रश्न रखता रहा है इस बार भी यही कयिा है । मामला कोर्ट में गया है, कोर्ट को भी यह समझने की आवश्यक्ता है क प्रदेश की सबसे प्रतष्ठिति संस्था से बार बार यह लगती क्यों हो रही है ? सही तो यह है क न्यायालय को आयोग के प्रश्न बनाने वाले तथा उत्तर बनाने वाले □क्सपर्ट के वरिुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करनी चाहि। ताक इसकी पुनरावृत्त िन हो ।

गड़बड़ियां तब से शुरू होने लगीं, जब से लोकसेवा आयोग में अनलि यादव का अध्यक्ष पद पर पदार्पण हुआ। उनकी करतूतों के चलते ही प्रतयिोगी छात्रों को □क महीने का भी समय मुख्य परीक्षा हेतु नही मलिा, और हालत आज भी सुधरने के बजाय लगातार बदतर ही होती जा रही है। मुख्य परीक्षा में 2 वषिय के चार पेपर, सामान्य अध्ययन के दो पेपर, सामान्य हदिी तथा नबिन्ध के पेपर होते हैं, आखरि 20 दनि में छात्र कैसे कर सकता है तैयारी। सरकार बदलने के बाद यह उम्मीद जगी थी न्याय मलिेगा कन्तिु आयोग की मनमानी आज भी उसी तरह जारी है जैसे पूर्व सरकार में जारी थी ।

□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□:-

[illegible]

एक प्रकार से लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य छात्रों से सीबीआई जाँच का बदला ले रहे हैं तथा सरकार बेबस दिख रही है।

सरकार से अनुरोध है कि पहले भष्ट अध्यक्ष/सदस्यों को उनके पद से हटाए, उसके बाद ही कोई परीक्षा सम्पन्न कराए । यह सम्भव है कि सरकार जल्दी भर्ती चाहती हो तो इसका विकल्प है कि 2 वर्ष के लिए लोकसेवा आयोग उत्तर प्रदेश की सभी परीक्षाओं को सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी संघ लोकसेवा आयोग को सौंप दें । संविधान में यह प्रावधान है कि केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की संस्तुति पर किसी भी लोकसेवा आयोग की भर्ती संघ लोकसेवा आयोग को दी जा सकती है ।

यह माँग उन छात्रों की है जिन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के विरुद्ध आवाज उठाई, 48 बार लाठी खाये, 3 बार गोली चली, सैकड़ों छात्र जेल गए यहां तक कि छात्रों को 5 हजार का इनामी अपराधी तक घोषित किया गया। सरकार बदले इस उम्मीद से की वर्तमान सरकार में उनके जायज मांग को सुना जाएगा लेकिन 2 लाख ट्वीट लाखों मेल के बाद भी सरकार के कोई निर्णय न लेने पर छात्रों में वर्तमान सरकार के प्रति भी आक्रोश व्याप्त हो रहा है।